

छत्तीसगढ़ गणतंत्र दविस की झाँकी

चर्चा में क्यों?

26 जनवरी को गणतंत्र दविस परेड से पहले 22 जनवरी को नई दलिली के नेशनल थिएटर में छत्तीसगढ़ की 'बस्तर की आदमि जन संसद: मुरयिा दरबार' की झाँकी प्रदर्शति की गई।

मुख्य बदि:

- आदमि काल से आदविसी समाज की लोकतांत्रकि चेतना को प्रदर्शति करने के लयि झाँकी की सराहना की गई।
- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने झाँकी बनाने वाली टीम की सराहना करते हुए कहा कयिह वषिय आदविसी समाज के लयि महत्त्वपूर्ण है और यह वशिव को उनकी लोकतांत्रकि परंपराओं से परिचिति कराएगा।
- 'बस्तर की आदमि जन संसद: मुरयिा दरबार' की झाँकी जो नई दलिली के [करतव्य पथ](#) पर गणतंत्र दविस परेड का हसिसा होगी, उसमें मुरयिा-दरबार और लमिऊ-राजा शामिल हैं, जो जगदलपुर की बस्तर-दशहरा परंपरा का हसिसा हैं।
 - इसमें टैराकोटा शलिप, लोगों की शक्ति का प्रतीक और बस्तर में सांस्कृतकि बकिस को प्रदर्शति करता है।
 - यह छत्तीसगढ़ के एक ज़लि बस्तर में सामुदायकि नरिणय लेने की 600 वर्ष पुरानी आदविसी परंपरा को भी प्रदर्शति करता है।



मुरयिा-दरबार

- बस्तर में मुरयिा दरबार की शुरुआत 8 मार्च 1876 को हुई थी, जसिमें सरिँचा के डपिटी कमशिनर मेक जॉर्ज ने मांझी-चालकयिों को संबोधति कयिा था।
- बाद में लोगों की सुवधि के अनुसार इसे बस्तर दशहरा का अभनिन अंग बना दयिा गया, जो परंपरा के अनुसार 145 वर्षों तक जारी रहा।

लमिऊ राजा

- यह प्राकृतिक पत्थर का सहिसन है जो बस्तर की लोकतांत्रिक जड़ों का प्रतीक है और बड़े डोंगर, गादीराव डोंगरी के भीतर स्थित है।
- प्राचीन समय में, जब इस क्षेत्र में शासक का अभाव था, तो समुदाय महत्त्वपूर्ण मामलों पर वचिार-वमिर्श करने के लयि इस पत्थर के "सहिसन" के आसपास इकट्ठा होते थे।
- एक अनुषठान शुरू हुआ जहाँ प्रतीकात्मक सहिसन के ऊपर रखा गया एक नीबू नरिणय लेने का केंद्र बडुि बन गया।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-republic-day-tableau>

